DAINIK BHASKAR, Raipur, 22.12.2017
Page No. 4, Size:(20.69)cms X (22.29)cms.

गड़बड़ी | रायपुर जिले के 10 हजार कार्ड मिले, खुलासे के बाद अब होंगे ब्लॉक

50 हजार राशन कार्ड दो जिलों में एक ही आधार नंबर से लिंक, दोगुना राशन ले रहे

असगर खान | रायपुर

जिले में राशन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने के दौरान नया खुलासा हुआ है। रायपुर समेत आसपास के जिलों में 50 हजार ऐसे राशन कार्ड मिले हैं जो दो जिलों में एक ही आधार नंबर से लिंक होकर चल रहे हैं। यानी राशन कार्ड एक बना है, लेकिन उसे अलग-अलग जिलों में एक ही आधार नंबर से लिंक कर दिया गया है। ऐसे राशन कार्डों से लोग दो अलग-अलग जगहों से राशन ले रहे हैं। अब इन कार्डों को ब्लॉक किया जा रहा है। अफसरों का दावा है कि ऐसे कार्डों की संख्या राज्यभर में एक लाख से ज्यादा हो सकती है। केवल रायपुर जिले में ही ऐसे करीब 10 हजार राशन कार्ड मिले हैं। इनमें से एक कार्ड ब्लॉक किया जाएगा। इसके लिए जिले के सभी राशन दुकानदारों को ऐसे कार्डधारियों की सूची दे दी गई है। उनसे कहा गया है कि वे इन लोगों से दोबारा आधार कार्ड मांगें और वेरीफिकेशन कर दूसरे जिले से राशन देना बंद कर दें।

जिले के करीब दो लाख राशन कार्डों को आधार कार्ड से लिंक किया जा रहा है। विभाग के अनुसार अब तक 90 फीसदी कार्ड आधार नंबर से लिंक हो चुके हैं। कार्डों को लिंक करने के दौरान ही पता चला कि एक राशन कार्ड दो आधार नंबर से लिंक हो गए हैं। इसके बाद अफसरों के होश उड़ गए। इस बात की भी जांच की जा रही है जिनके नाम पर दो राशन कार्ड है, वे कितने महीनों से अलग-अलग जगहों पर राशन ले रहे हैं। खाद्य संचालनालय ने ऐसा राशन कार्डों की सूची राज्य के सभी खाद्य विभागों को भेजी है। अलग-अलग जिलों के फूड कंट्रोलरों से कहा गया है कि वे इसका वेरिफिकेशन कर एक कार्ड को ब्लॉक करें। अभी फिलहाल यह तय नहीं है कि जो लोग दो जगहों से राशन ले रहे थे, उन पर क्या कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदारों को सौंपी सूची, कहा फिर से करें जांच

एक कार्ड में 35 किलो, लेकिन ले रहे थे डबल

राज्य सरकार के नियमों के अनुसार एक बीपीएल कार्ड में लोगों को प्रति यूनिट 7 किलो चावल दिया जाता है। इससे पहले एक राशन कार्ड पर 35 किलो चावल मिलता था। ऐसे में जिनके राशन कार्ड दो जगहों से आधार से लिंक थे, उन्हें हर महीने 35 के बजाय 70 किलो चावल मिल रहा था। शहर में इससे पहले भी राशन कार्डों और दुकानों में कई तरह की गड़बड़ी सामने आ चुकी हैं। हाल ही में एक महीने के तीन राशन दुकानदारों के खिलाफ एफआईआर भी की गई है।

युवतियों की शादी के बाद दूसरे जिले में भी नाम

खाद्य विभाग के अफसरों का कहना है कि रायपुर जिले में रहने वाले लोग दूसरे जिलों में गए तो उन्होंने वहां भी आधार नंबर से अपना कार्ड लिंक करवा लिया। जिन लड़कियों का विवाह रायपुर जिले से बाहर हुआ, उनका भी राशन कार्ड दूसरे जिले में उसी आधार नंबर से लिंक हो गया है। इस तरह के कई कारणों की वजह से हजारों राशन कार्ड एक ही आधार नंबर से लिंक हो गए। मुख्य सर्वर में इनकी एंट्री के दौरान ही पता चला कि एक ही आधार नंबर पर हजारों राशन कार्डों से दो जगहों पर राशन निकल रहा है।

बार-बार वेरिफिकेशन का विरोध भी शुरू, हड़ताल की चेतावनी

राशन और आधार कार्ड को लिंक करने के साथ ही आधार कार्ड का बार-बार वैरिफिकेशन करने का राशन दुकानदारों ने विरोध भी शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि राशन कार्ड से आधार को लिंक कराने के नाम पर दुकानदारों के साथ ही आम लोगों को भी इससे परेशानी हो रही है। ग्राहकों से कई बार आधार कार्ड मांगकर विभाग को दिया जा चुका है, उसके बाद भी लिंक करने का काम अब तक अधूरा है। दुकानदारों ने इस प्रक्रिया के साथ ही दूसरी मांगों को लेकर एक जनवरी से रायपुर समेत राज्य के कई जिलों में राशन दुकान बंद करने की चेतावनी दी है। संघ के अध्यक्ष नरेश बाफना ने बताया कि दुकानें बंद करने से पहले 25 दिसंबर को राज्यभर के राशन दुकानदार बूढ़ातालाब धरना चौक में धरना देकर प्रदर्शन करेंगे।

राशन दुकानों की जांच के लिए अब होगी निगरानी

शहर के राशन दुकानों में लगातार फर्जीवाड़े के बाद प्रशासन ने अब निगरानी समिति बनाने का फैसला किया है। समिति का काम सभी राशन दुकानों के स्टॉक की जांच के साथ ही वहां की शिकायतों की पड़ताल करनी होगी। ऐसी समिति पहले बनाई जाती थी, लेकिन बाद में इनका गठन करना बंद कर दिया गया। राशन दुकानदारों के खिलाफ हो रही लगातार एफआईआर के बाद दोबारा समिति बनाई जा रही है।

पांच सदस्यों की होगी समिति पार्षद के साथ कार्डधारी भी

निगरानी समिति में वार्ड के पार्षद, एक सरकारी कर्मचारी, चार राशनकार्डधारी और क्षेत्र के प्रतिनिधि समेत छह लोग शामिल रहेंगे। समिति लगातार अपने क्षेत्र के राशन दुकानों की जांच करेंगी। राशन दुकान की ग्राहक समिति के पास अपनी शिकायतें भी दर्ज करा सकेंगे। समिति राशन दुकानों में राशन कब पहुंचा, उसका वितरण कैसे किया गया, इसके साथ ही सर्वर पर भी निगाह रखेगी। किसी भी दुकान का सर्वर खराब होता है तो समिति के सदस्य इसकी सूचना खाद्य विभाग के अफसरों को देंगे।

एक आधार नंबर वाले अलग-अलग राशन कार्ड

खाद्य संचालनालय ने ऐसे लोगों की सूची उपलब्ध कराई है, जिनके राशन कार्ड अलग-अलग जगहों पर एक ही आधार नंबर से लिंक हैं। ऐसे कार्डों का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। रायपुर में इनकी संख्या करीब 10 हजार है।

-जीएस राठौर, खाद्य निरीक्षक